# CTET

## NCF – 2022 (बुनियादी चरण)

- यह NCF राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बताये गये बुनियादी चरण के लिए है जिसकी उम्र सीमा 3 से 8 वर्श है।
- इस NCF के संचालन समिती के अध्यक्ष के० कस्तूरी रंगन है।

**Q. Which phase of NCF 2022 is about change in teaching and learning process? एनसीएफ 2022 का कौन चरण शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में बदलाव के बारे में है ?**

(a) Foundational / फाउंडेशनल

(b) Preparatory / प्रिपरेटेरी

(c) middle / मध्य

(d) secondary / माध्यमिक

- एन० सी० एफ० में बच्चों के समग्र विकास को दर्षाने के लिए पंचकोश की अवधारणा का उदाहरण दिया गया है जिसे तैत्तिरेय उपनिशद से लिया गया है जिसके पांच कोश निम्नलिखित है –

Q. एनसीएफ 2022 में सरकारी और निजी स्कूलों में कितने साल तक के बच्चों के लिए मातृभाषा शिक्षा का प्राथमिक माध्यम होना चाहिए/ In NCF 2022, mother tongue should be the primary medium of instruction for children up to how many years in government and private schools?

(a) 5 years

(b) 6 years

(c) 7 years

(d) 8 years

- इस NCF 3 से 8 वर्ष तक के बच्चों को मातृभाषा रखने की सलाह दी गई है।
- NCF के अनुसार 3 से 8 वर्ष की शिक्षा को प्रारंभिक बाल देख रेख एवं शिक्षा (ECCE) में रखा गया है।
- यह NCF राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तर्ज पर काम करता है तथा इसका मुख्य फोकस बुनियादी चरण में स्वास्थ्य सुरक्षा, पोषण, स्वसहायता गामक कौशलों, सम्प्रेषण, संवेगात्मक विकास तथा अच्छे आदतों के निर्माण पर है।
- इस NCF में बच्चों के लिए बाल केन्दित एवं अनुभावात्मक अधिगम को अपनाया गया है।

Q. एनसीएफ 2022 में सरकारी और निजी स्कूलों में कितने साल तक के बच्चों के लिए मातृभाषा शिक्षा का प्राथमिक माध्यम होना चाहिए/ In NCF 2022, mother tongue should be the primary medium of instruction for children up to how many years in government and private schools?

(a) 5 साल

(b) 6 साल

(c) 7 साल

(d) 8 साल

- इसे 20 अक्टूबर 2022 को भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा लागू किया गया।
- **एन0 सी0 एफ0 – 2022** को चार भागों में बांटा गया है–
- **1- The National Curriculum Framework for School Education.**
- **2- The National Curriculum Framework for Early Childhood Care and Education.**
- **3- The National Curriculum Framework for Teacher Education**
- **4- The National Curriculum Framework for Adult Education.**

Q. एनसीएफ 2022 की पंचकोष की अवधारणा में किस कोष में गुणों के विकास की बात की गई है/In the concept of Panchkosh of NCF 2022, development of qualities in which Kosh has been talked about?

(a) शारीरिक विकास/physical development

(b) मानसिक विकास /mental development

(c) आध्यात्मिक विकास /spiritual development

(d) प्राणिक विकास /vital development

**Q. एनसीएफ 2022 में कितने खण्ड (क्षेत्र) शामिल किए गये हैं/How many segments (sectors) have been included in NCF 2022?**

(a) दो

(b) तीन

(c) चार

(d) पांच

# अधिगम अक्षमताएँ

अधिगम अक्षमता शब्द को पहली बार 1963 में सैम्यूल किर्क ने प्रयोग किया था। अधिगम अक्षमताओं का अर्थ सीखने की कमी या कठिनाई या अनुपस्थिति से होता है।

Q. निम्न मे से कौन-सी अध्यापन-अधिगम सामग्री दृश्य बाधित विद्यार्थियों के समावेशन में मददगार होगी?/Which of the following teaching- learning material will benefit inclusion of students with visual impairment?

(1) हस्तलिखित नोट्स/ Hand written notes

(2) चित्र और आरेख/ pictures and diagrams

(3) मानचित्र और ग्लोब/ maps and globe

(4) श्रव्य टेप/ audio tapes

Q. निम्नलिखित में से कौन-सी विकलांगता लिखित सामग्री को पढ़ने और समझने में चुनौतियों का कारण बनती है?/Which of the following disability cause challenges in reading and comprehending materials? the written

1. गतिमान दिव्यांगता /Locomotor disability
2. श्रवण बाधिता /Hearing impairment
3. गुणजवैक्लय /Dyscalculia
4. पठनवैकल्य /Dyslexia

- Q. निम्नलिखित में से कौन-सी रणनीतियां समावेशन को बढ़ावा देती हैं? / Which of the following practices promotes inclusion in the context of children with disabilities?
- i. बाधा मुक्त पहुँच/ Barrier free access
- ii.सहायक यंत्र और तकनीकी- आधारित उपयुक्त उपकरण / Assistive devices and appropriate technology-based tools
- iii. सामान्य या विशेष विद्यालय के साथ -साथ गृह आधारित शिक्षा का विकल्प / Choice of regular or special schooling as well as home - based education
- iv. एकरूप संरचनाबद्ध पाठ्यचर्या और मूल्यांकन / Uniform structured curriculum and means of assessment

Q. जो विद्यार्थी जिन्हें वाच वैकल्य है, उनके सकल समावेशन हेतु निम्न में से किसे वर्जित करना चाहिए?/To successfully include students with Dyslexia, which of the following should be avoided?

1. बहु-संवेदी शिक्षाशास्त्रीय उपागम /Multi-sensory pedagogical approches
2. मानकीकृत आकलन /Standardized assessments
3. व्यक्तिगत लक्ष्य समुच्चय /Individualized goal sets
4. लचीला पाठ्यक्रम / Flexible curriculum

# अधिगम अक्षमताओं की विशेषताएँ

1. अधिगम अक्षमताएँ विकार है, न कि बिमारी
2. कुछ समय बाद ये स्वतः ही खत्म हो जाती है। क्योंकि अधिगम में परिपक्वता आने लगती है।
3. सभी अधिगम अक्षमताएँ परिवर्तनशील होती है।
4. अधिगम अक्षमताएँ मनोवैज्ञानिक भी हो सकती है।

Q. निम्नलिखित में से कौन-सी दिव्यांगता सीधे तौर पर सामाजिक अंतः क्रियाओं में 11 कठिनाई से जुड़ी है?/Which of the following disability is directly associated with the difficulty in social interactions?

1. स्वलीनता /Autism
2. वाचनवैकल्य/Dyslexia
3. गतिक दिव्यांगता /Locomotor Disability
4. नेत्रहीनता /Visual impairment

# प्रमुख अधिगम अक्षमताएँ

1. **Dyscalculia** – गणना विकार
2. **Dysgraphia** – लेखन विकार
3. **Dyslexia** – पठन विकार
4. **Dyspraxia** – गतिक कौशलो सम्बन्धित विकार
5. **Dementia** – स्मृति विकार
6. **Dysthymia** – अवसाद विकार
7. **ADHD** (Attention Deficit Hyper Active Disorder) – न्यून अवधान अति सक्रियता विकार
8. **Dysphoria** – उदासिनता विकार
9. **Dysmorphia** – अपने शरीर में कमी ढूँढने का विकार
10. **Dysphonia** – आवाज विकार जैसे – ध्वनि यंत्र में कुछ समस्याहोना

11. **Dystonia –** गतिशीलता विकार (जिसमें मांसपेशियों के सिकुड़न आदि के कारण चलने में परेशानी होती है।)
12. **Acquired Helplessness –** अर्जित निःसहायता (जिसमें व्यक्ति इतना निराश हो चुका होता है कि उसे लगता है वो कुछ नहीं कर पायेगा)
13. **Dysphasia –** सम्प्रेषण विकार (किसी मस्तिष्क की बिमारी या क्षति का परिणाम)

Q. डिस्ग्राफिया मुख्य रुप से किस कठिनाई से जुड़ा है -

(a) पढ़ना

(b) सोचना

(c) चलना

(d) लिखना

**Q. निम्न में से कौन सा अभ्यास दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के सफल समावेशन को सुनिश्चित करनें में सहायक होगा**

(a) छोटे मुद्रण और चित्रों वाली पुस्तकें

(b) शिक्षक और साथियों द्वारा सांकेतिक भाषा का प्रयोग

(c) स्पर्शनीय और उभरी सामग्री का उपयोग

(d) बोर्ड पर लिखित निर्देश

Q. जो विद्यार्थी जिन्हें वाच वैकल्य है, उनके सकल समावेशन हेतु निम्न में से किसे वर्जित करना चाहिए?/To successfully include students with Dyslexia, which of the following should be avoided?

1. बहु-संवेदी शिक्षाशास्त्रीय उपागम / Multi-sensory pedagogical approches
2. मानकीकृत आकलन / Standardized assessments
3. व्यक्तिगल लक्ष्य समुच्चय / Individualized goal sets
4. लचीला पाठ्यक्रम / Flexible curriculum

# Key Words/Tag words

**इनसे बचें –**

1. मानकीकृत परीक्षण
2. वेधन और अभ्यास (Mock and Read)
3. वैयक्तिक विभिन्नता में समानता
4. बाह्य प्रेरणा
5. लालच
6. दो विद्यार्थियों में तुलना
7. सिर्फ अंक लाने के लिए पढ़ना
8. व्याख्यान विधि
9. योगात्मक आकलन
10. शिक्षक केन्द्रित शिक्षा
11. रटन्त अधिगम
12. फूट डालो और राज करों
13.

# इन्हें हमेशा वरीयता दें

- बालकेन्द्रित शिक्षा
- आन्तरिक प्रेरणा
- करके सीखना
- अन्तःक्रिया
- विविधता
- समावेशी शिक्षा
- सतत और व्यापक मूल्यांकन
- अधिगम के लिए आकलन
- पूर्व ज्ञान

- त्रुटियाँ
- भ्रम
- असफलताएँ
- परिवर्तनशील या प्रगतिशील शिक्षा
- लचीलापन और गतिशीलता
- रचनावाद/सृजनात्मकता
- त्रुटि एवं प्रयास
- समायोजन/अनुकूलन
- अन्वेषण या खोज विधि

# राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा – 2005

1. एन0 सी0 एफ0 2005 के पांच मार्गदर्शी सिद्धान्त –

(a) ज्ञान को स्कूली के बाहर के जीवन से जोड़ना

(b) पढ़ाई को रटन्त प्रणाली से मुक्त करना

(c) शिक्षा को सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहने देना

(d) परीक्षा प्रणाली लचीली बनाना तथा कक्षा को गतिविधियों से जोड़ना

(e) शिक्षा द्वारा प्रजातांत्रिक सोच एवं राष्ट्रीय चिन्ताओं को समाहित करना

# प्रमुख बिन्दु

- एन0 सी0 एफ0 2005 रचनावाद पर जोर देता है।
- एन0 सी0 एफ0 2005 बिना बोझ के शिक्षा देने का वादा करताा है।
- एन0 सी0 एफ0 2005 में मोटी–मोटी पुस्तकों को शिक्षा की असफलता माना गया है।
- एन सी0 एफ0 2005 के अनुसार कक्षा में पसरा हुआ सन्नाटा अधिगम का सूचक नहीं है।
- डण्डे के डर से व्यवस्था स्थापित हो सकती है, पर अनुशासन नहीं।

- पिछले कुछ वर्षो में स्कूल के बस्ते का वजन बढ़ा है पर गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ है।
- अधिगम स्वभाव से सक्रिय एवं सामजिक है।
- बालकेन्द्रित शिक्षा शास्त्र का अर्थ बच्चों की आवाजों एवं उनके अनुभवों को वरीयता देना है।
- एन0 सी0 एफ0 2005 लिंग पूर्वाग्रह का विरोध करता है तथा बालक बालिकाओं को विपरीत भूमिकाओं में रखने पर जोर देता है।

- अधिगम एक अन्तःक्रियात्मक प्रक्रिया है। तथा इसमें वयस्कों के साथ काम करना, सहपाठियों के साथ विचार विमर्श करना आदि अत्यन्त लाभदायक है।
- शिक्षक एक मार्गदर्शक, सुविधा प्रदाता, सुगम कर्ता और उत्प्रेरक है। जो विद्यार्थियों को ज्ञान सृजन के लिए प्रोत्साहित करता है।
- एन0 सी0 एफ0 2005 विवेचनात्मक शिक्षाशास्त्र पर जोर देता है। क्योंकि विवेचनात्मक शिक्षाशास्त्र राजनैतिक, सामामिजक, आर्थिक पहलूओं पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है।
- ज्ञान कोई तैयार माल नहीं है।
- ज्ञान प्राप्त नहीं होता, ज्ञान की रचना करनी होती है।
- बच्चा कोई कोरी पटिया नहीं है। वह कई अनुभवों के साथ स्कूल में प्रवेश करता है।

- सीखने और सिखाने में स्थानीय ज्ञान एवं सामाजिक परिवेश को महत्वपूर्ण माना गया है।
- बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- एन0 सी0 एफ0 2005 में चार क्षेत्रों में विशेष ध्यान आकर्षित किया गया है। कला शिक्षा, कार्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा शांति शिक्षा
- एन0 सी0 एफ0 2005 पांच के दस्तावेज में भाषा के लिए द्वि-भाषिकता तथा बहु-भाषिकता का समर्थन किया गया है।
- बच्चे स्कूली जीवन के शुरूआत के पहले से ही भाषा की जटिलताओं और नियमों को आत्मसात करने की क्षमता रखते है।
- इस दस्तावेज में बहु-भाषिकता को एक संसाधन माना गया है।
- द्वि-भाषिकता संज्ञानात्मक वृद्धि, सामाजिक सहिष्णुता, विस्तृत चिन्तन और बौद्धिक उपलब्धि को बढ़ावा देती है।

- प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम बालक की मातृभाषा होती है। क्योंकि इससे सीखने का स्वाभाविक वातावरण तैयार होता है।
- प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषाओं को बिना सुधारे उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए जिस रूप में वह होती है।
- गलतियाँ अधिगम का हिस्सा होती है। इसलिए शुरूआत में उन पर ध्यान दिये बिना अधिक समय बच्चे को रूचिकर एवं चुनौतिपूर्ण संसाधनों के माध्यम से भाषा को समृद्ध करने में लगाये।
- अंग्रेजी के माध्यमों को स्वीकारते हुये इसे द्वितीय भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है।
- कक्षा में छपी हुई सामग्री की बहुतायत हो। संकेतों, चार्ट, कार्य सम्बन्धी सूचना आदि उसमें लगे हो ताकि विभिन्न अक्षरों की ध्वनियाँ सीखने के साथ बच्चे अक्षरों को पहचान सकें।

# गणित शिक्षण का उद्देश्य

- बालक में गणितीय करण की सोच का विकास
- तर्क क्षमता एवं अमूर्त चिन्तन का विकास तथा समस्या समाधान का विकास
- गणित को वास्तविका जीवन से जोड़ना
- गणित का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध

**एन0 सी0 एफ0 ने कम्प्यूटर विज्ञान एवं कम्प्यूटर शिक्षा पर जोर दिया–**

1. विज्ञान शिक्षा का उद्देश्य
2. बालक में जिज्ञासा एवं सृजनशीलता का विकास
3. विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ना
4. आस–पास पाये जाने वाले जीव–जन्तुओं का अध्ययन
5. दैनिक जीवन से जोड़कर वैज्ञानिक नियम समझाना
6. माध्यमिक स्तर पर स्वास्थ्य, प्रजनन तथा यौन बिमारियों आदि को भी शिक्षा में शामिल किया जाय।

- कक्षा 2 तक लिखित परीक्षा न हो बल्कि गतिविधी आधारित मौखिक आकलन, अवलोकन द्वारा किया जाय।
- आकलन में पास या फेल पर जोर न देकर ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाय।
- मूल्यांकन में बच्चे को होशियार या समस्यात्मक विद्यार्थी न कहकर सभी विद्यार्थियों के अधिगम कठिनाई के क्षेत्र को पहचानकर उन्हें बेहतर बनाने का प्रयास किया जाय।
- आकलन सतत् और व्यापक होना चाहिए।
- इस दस्तावेज में स्वकेन्द्र परीक्षा प्रणाली तथा विद्यालय आधारित आकलन की सिफारिश की गई है। खासकर पोर्टफोलियो आकलन।

- खुली पुस्तक परीक्षा का विरोध किया गया है। लेकिन निष्पक्षता के लिए इसमें कुछ बदलाव करके इसे अपनाया जा सकता है।
- प्रतियोगिता प्रोत्साहन तो देती है पर आन्तरिक प्रेरणा को मार देती है।

# विद्यालय एवं कक्षा का वातावरण

1. बच्चे उस स्थान पर रहना पसन्द करते है जो रंग–रंगीला, मित्रवत, खुली जगह वाला हो, तथा जहाँ पर पशु–पक्षी, पेड़–पौधे और खिलौने हो।
2. विद्यालय के दीवार का प्रयोग बच्चों द्वारा बनाई गई कृतियों के लिए किया जाना चाहिए।

# समावेशी शिक्षा

1. दिव्यांगता एक सामाजिक जिम्मेदारी है इसे स्वीकार करना है।
2. बच्चे फेल नहीं होते बल्कि व्यवस्थाये और स्कूल असफल होते है।
3. अन्तरों की स्वीकृति एवं विविधता का उत्सव मनाती है।
4. दिव्यांगता समाज द्वारा निर्मित है इसलिए इसे तोड़े।
5. प्रावधान करें बाधायें न गढ़े।
6. समावेशन का अर्थ सिर्फ दिव्यांगों को शिक्षा में शामिल करना नहीं है। बल्कि सभी बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ना है।

1. विद्यालय की समय-सारिणी को लचीलि बनाया जाय तथा कक्षा की बैठक व्यवस्था में भी बदलाव लाया जाय।
2. स्कूल का कैलेण्डर मौसम के अनुकूल बनाया जाय।
3. स्कूल का कैलेण्डर तथा प्रतिदिन पढ़ाई के घण्टों का निर्धारण ग्राम पंचायत के साथ विचार-विमर्श करके लिया जा सकता है।
4. फिर भी यह समय पूर्व प्राथमिक स्तर पर कम-से-कम तीन घण्टे तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर कम-से-कम छः घण्टे हो।

# गृहकार्य के लिए सुझाव

अत्यधिक गृह कार्य का विरोध करते हुये एन0 सी0 एफ0 गृहकार्य के लिए निम्नलिखित मानक निर्धारित करता है।

1. कक्षा 2 तक कोई गृहकार्य नहीं
2. कक्षा 3 से 5 तक सप्ताह में 2 घण्टे
3. कक्षा 6 से 8 तक सप्ताह में 5–6 घण्टे
4. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर सप्तार में 10–12 घण्टे।

# महत्वपूर्ण बदलाव

## पहले

- शिक्षक केन्द्रित, स्थिर डिजाईन
- शिक्षक का निर्देश और निर्णय
- शिक्षक का मार्गदर्शन और प्रबोधन
- निष्क्रिय भाव से सीखना
- चारदीवारी के अंदर सीखना
- ज्ञान "प्रदत्त" और स्थिर है
- अनुशासन केन्द्रित
- रैखिक अनुभव
- मूल्यांकन, संक्षिप्त, क्रम

## बाद में

- शिक्षार्थी केन्द्रित, लचीली प्रक्रिया
- शिक्षार्थी की स्वायत्ता
- शिक्षार्थी को सहयोग द्वारा सीखने को प्रोत्साहन
- सीखने में सक्रिय भागीदारी
- विस्तृत सामाजिक संदर्भ में सीखना
- ज्ञान विकसित होता है, रचा जाता है
- बहु-अनुशासनात्मक शैक्षणिक दृष्टि
- बहुविध एवं विभिन्न अनुभव
- बहुविध, सतत्

# बच्चे कैसे चिन्तन करते है?

1. चिन्तन एक मानसिक एवं संज्ञानात्मक प्रक्रिया है। जिसका उद्देश्य समस्या समाधान होता है।

2. चिन्तन मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग करता है।

3. चिन्तन के सूचना प्रकमरण सिद्धान्त में चार चरण आते है।

प्रत्यक्षीकरण, श्रेणीकरण, प्रतिक्रिया चयन तथा क्रियान्वयन

4. सृजनात्मक चिन्तन के चार तत्व निम्नलिखित है–

धारा प्रवाह, मौलिकता, लचीलापन, विस्तारण या व्याख्या

# सृजनात्मक चिन्तन के चार चरण

ग्राहम वाल्स तथा कॉफ मैन ने सृजनात्मक चिन्तन के चार निम्नलिखित चरण बताये है।

- आयोजन
- उद्भवन या सुप्तावस्था
- उद्भासन या प्रकाशन
- सत्यापन या मूल्यांकन

# चिन्तन की विशेषताएँ

- चिन्तन की शुरूआत समस्या से होती है।
- चिन्तन मनुष्यों मे सार्वभौमिक है।
- चिन्तन में मुद्दा या विचार शामिल होता है।
- चिन्तन में वस्तुएँ और चिन्ह् शामिल होते है।
- चिन्तन तार्किक होता है।
- चिन्तन कल्पना से अलग है।
- चिन्तन लक्ष्योन्मुखी होता है।
- चिन्तन मानसिक एवं संज्ञानात्मक प्रक्रिया है।

# चिन्तन के तत्व

- प्रत्यक्षीकरण
- मुद्दा या विचार या प्रतिज्ञप्ति
- वस्तु
- चिन्ह्
- भाषा

# चिन्तन के प्रकार

1. अभिसारी चिन्तन – इसमें व्यक्ति संकुचित या पारम्परिक तरीके से सोचता है।
2. इसे परम्परावादी, रूढ़िवादी, लम्बवत्, एकदिशीय तथा इन द बॉक्स चिन्तन भी कहते है। जैसे– बहुविकल्पिय प्रश्न

# अपसारी चिन्तन

- इस प्रकार के चिन्तन में एक बिन्दु से कई बिन्दुओं तक पहुँचते है। इसलिए इसे सृजनात्मक, वैज्ञानिक, पार्श्विक, बहुदिशीय तथा बहुविध हो तथा आऊट ऑफ दि बॉक्स चिन्तन भी कहते है।

जैसे – मुक्त अन्त वाले प्रश्न

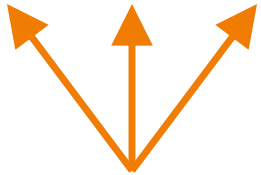

**Q. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न बच्चों के समालोचनात्मक व रचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देता है?/Which of the following questions promotes critical and creative thinking in children?**

**(a) पानी के बचाव के लिए सबसे अच्छा तरीका कौन-सा हो सकता है और क्यों?/Which can be the best way to save water and why?**

**(b) आपके शहर में पानी कहाँ से आता है?/Where does water come from in your city?**

**(c) आपके देश में कुल कितने राज्य और कितनी राजधानियाँ हैं?/How many states and how many capitals are there in your country?**

**(d) आपके देश का नाम व मानचित्र पर इसकी सुस्मीत्ट भौगोलिक स्थिति क्या है?/What is the name of your country and its geographical location on the map?**

# बच्चे कैसे सीखते है?

खेलो द्वारा, अनुबन्धन द्वारा, इन्द्रियों द्वारा, त्रुटि एवं प्रयास द्वारा सूझ द्वारा प्रभाव द्वारा, प्रोत्साहन द्वारा, निर्माण द्वारा, क्रिया एवं प्रयोग द्वारा, अन्वेषण द्वारा, खोज द्वारा, गतिविधियों द्वारा।

**Q. इनमें से कौन-सी विधि अर्थपूर्ण अधिगम के लिए सबसे प्रभावशाली है ?/Out of the following, which mode of learning would best promote meaningful learning?**

1. रट कर याद करना/Rote memorisation
2. निष्क्रिय श्रवण / Passive listening
3. संयोजन के माध्यम से समझना /Understanding through linkages
4. ड्रिल और बार-बार अभ्यास /Drill and repeated practice

**Q. विद्यार्थी अकसर प्राकृतिक घटनाओं के बारे में सहजज्ञ सिद्धांत रच लेते है। एक अध्यापिका को –**

1. विद्यार्थियों को ऐसा करने के लिए निरुत्साहित करना चाहिए।
2. के लिए दण्डित करना चाहिए, जो उनकी पाठ्यपुस्तक में समाहित नहीं है।
3. विद्यार्थियों को ऐसे पूर्व-अवधारणाएं साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और अध्यापन अधिगम शिक्षणशास्त्र को उनके अनुरूप बनाना चाहिए।
4. इन सिद्धांतों को अनदेखा कर देना चाहे सप्रत्ययों को प्रत्यक्ष निर्देशन द्वारा पढ़ाना।

**Q. छात्रों के लिए व्यावहारिक ( करके सीखने वाली) गतिविधियों के/को/की..... से छात्रों 22 अधिगम..... की संभावना है।**

1. टालने, सुधरने
2. सुविधा देने, बढ़्ने
3. प्रस्तुति से ठहरने
4. रोकथाम, बढ़ने

**Q. अधिगम के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?**

1. छात्र सबसे अच्छा तब सीखते हैं जब वे उन गतिविधियों में भाग लेते हैं जो उनके सन्दर्भ से संबंधित होती हैं।
2. छात्र सबसे अच्छा तब सीखते हैं जब वे उन गतिविधियों में भाग लेते हैं जो उनके सन्दर्भ से संबंधित नहीं होती हैं।
3. जब छात्र अर्थहीन गतिविधियों में भाग लेते हैं तो वे सबसे अच्छा सीखते हैं।
4. यांत्रिक गतिविधियों में भाग लेने पर छात्र सबसे अच्छा सीखते हैं।

Q. अर्थपूर्ण अधिगम के लिए/ To learn meaningfully-

(i) बच्चों को समाहत महसुस होना चाहिए।/children need to feel valued.

(ii) बच्चों के अनुभवों को समाहित करना चाहिए।/children's experiences should be taken into account.

(iii) बच्चों को सवाल पुछने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।/children should not be allowed questioning.

1. (i), (ii)
2. (i), (iii)
3. (ii), (iii)
4. (i), (ii), (iii)

**Q. विद्यार्थियों द्वार अधिगम की प्रक्रिया के दौरान की गई त्रुटियों पर एक माध्यमिक विद्यालयी स्तर के अध्यापक को कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए।/How should a middle school teacher respond to the errors made by the students during the process of learning?**

1. विद्यार्थियों की गलतियों को तुरंत संशोधित करना चाहिए।/Immediately correct the students errors
2. किसी सहपाठी को विद्यार्थियों की त्रुटियों संशोधित करने के लिए कहना चाहिए।Ask a peer to correct the student's errors
3. विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की त्रुटियों को पहचानने और उन पर काम करने के अवसर देने चाहिए।/Give students opportunities to identify their own errors and work upon them
4. विद्यार्थियों को शर्मिंदा करना चाहिए, ताकि वह भविष्य में कोई त्रुटि नो करें।/Shame the students so that they don't make any errors in future

# समालोचनात्मक चिन्तन
(Critical Thinking)

इस चिन्तन में गुण दोष दोनों पर फोकस किया जाता है। जैसे– मोबाइल से होने वाले लाभ और हानियाँ

प्रश्न : निम्न में से कौन-सा प्रश्न समालोचनात्मक चिन्तन को बढ़ावा देता है।

(a) त्रिभुज में कितने कोण होते है।

(b) भारत में कुल कितने राज्य है।

(c) पानी का संरक्षण कैसे किया जा सकता है।

(d) भारत कब स्वतंत्र हुआ।

प्रश्न : ग्रेड अंको से कैसे अलग है? यह प्रश्न कैसे चितंन का उदाहरण है?

(a) अपसारी चिंतन

(b) अभिसारी चिंतन

(c) विश्लेषणात्मक चिंतन

(d) प्रतिकात्मक चिंतन

# प्रतिकात्मक चिन्तन
# (Symbolic Thinking)

वास्तविक वस्तु न होने पर प्रतिकों के सहारे चिन्तन करना
जैसे– ग्लोब को पृथ्वी मानकर किया गया चिन्तन

**प्रश्न : मानचित्र कैसे चिंतन का उदाहरण है?**

(a) अपसारी चिंतन

(b) अभिसारी चिंतन

(c) विश्लेषणात्मक चिंतन

(d) प्रतिकात्मक चिंतन

# विपर्यय चिन्तन
(Reversible Thinking)

यह पियाजे द्वारा समर्थित चिन्तन है जिसमें व्यक्ति समस्या के शुरू के अंत तक समाधान पर पहुँचकर वापस शुरूआत में आ सकता है। जैसे – 3 + 2 = 5 करने के बाद वापस और 2 और 3 तक पहुँचना

प्रश्न : गीता एक खिलौने के सभी हिस्सों को खोलकर उसे फिर से संयोजित करके पूरा खिलौना तैयार कर लेती है यह कैसा चिंतन है।

(a) अपसारी चिंतन

(b) विर्पयय चिंतन

(c) विश्लेषणात्मक चिंतन

(d) प्रतिकात्मक चिंतन

# मूर्त चिन्तन
# (Concrete Thinking)

वस्तुओं या घटनाओं के प्रत्यक्ष चिन्तन पर आधारित होता है।
जैसे– सुडोकू पहेली हल करना

# अमूर्त चिन्तन
# (Abstract Thinking)

अमूर्त विचारों पर चिन्तन करना। जैसे – क्या ब्रम्हाण्ड में गुरूत्वाकर्षण का नियम वास्तव में काम करता है।

# बच्चा एक वैज्ञानिक के रूप में

पियाजे के अनुसार बच्चा एक वैज्ञानिक है जिसके निम्नलिखित प्रमाण है।

1. सृजनशीलता
2. जिज्ञासा
3. मौलिकता
4. क्रिया एवं प्रयोग
5. खोज की प्रवृत्ति

**प्रश्न : एक बच्चा एक खिलौने को पटककर तोड़ देता है। तथा उसे आंतरिक कलपूर्जो को देख रहा है, इसे क्या कहा जायेगा ?**

(a) बच्चा मंद बुद्धि वाला है।

(b) बच्चा शरारती है।

(c) यह बच्चे में वैज्ञानिक चिंतन की शुरूआत है।

(d) बच्चा अनुशासन विहीन है।

# बच्चा एक समस्या समाधान कर्ता

समस्या की परिभाषा – समस्या किसी कार्य में रूकावट या बाधा को कहते है।

समस्या की विशेषताएँ –

1. समस्या वास्तविका या काल्पनिक दोनों हो सकती है।
2. समस्या समाधान के लिए संकेत या चिन्ह् देना जरूरी है।
3. समस्याएँ कई प्रकार की होती है।

# समस्या समाधान की विधियाँ और बच्चा

1. त्रुटि एवं प्रयास विधि
2. सूझ विधि
3. अनसीखी विधि
4. उपलक्ष्य विश्लेषण विधि
5. कलन विधि / एल्गोरिद्म विधि
6. खण्डीकरण विधि (Chunking)
7. पश्चगामी विश्लेषण विधि (Backward Analysis)
8. ह्यूरिस्टिक या अनुमानी विधि

प्रश्न : एक बच्चा दस अंको के मोबाईल नम्बर को दो-दो अंको की पांच सेट बनाकर याद कर लेता है। यह समस्या समाधान की कौन-सी विधि है?

(a) समरूपी विधि

(b) मौखिकीकरण विधि

(c) ह्यूरिस्टिक विधि

(d) त्रुटि एवं प्रयास विधि

प्रश्न : राजेश जो कि एक दुकानदार है। मौखिक रूप से ग्राहक द्वारा खरीदे गये सामान का बिल तैयार कर देता है। यह समस्या समाधान की कौन-सी विधि है?

(a) समरूपी विधि

(b) मौखिकीकरण विधि

(c) ह्यूरिस्टिक विधि

(d) त्रुटि एवं प्रयास विधि

प्रश्न : फरीद को एक पत्र लिखना है इसलिए वह पत्र लिखने के जरूरी सामान जैसे - पेन, पेपर आदि खोज रहा है। इसे समस्या समाधान की कौन-सी विधि कहा जायेगा?

(a) समरूपी विधि

(b) मौखिकीकरण विधि

(c) ह्यूरिस्टिक विधि

(d) साधान साध्य विश्लेषण विधि

प्रश्न : सुनीता जो CTET 2022 परीक्षा में बैठी है। उसे बाल विकास के सातवें प्रश्न में परेशानी हो रही है। कुछ देर बाद उसे अचानक याद आता है कि यह प्रश्न तो 2017 में भी आया था। यह समस्या समाधान की कौन-सी विधि है?

(a) समरूपी विधि

(b) सूझ विधि

(c) ह्यूरिस्टिक विधि

(d) त्रुटि एवं प्रयास विधि

प्रश्न : माध्यमिक स्तर का एक छात्र कौन-सी संख्या पांच से विभाजित होती है। यह जानने के लिए प्रश्न के विकल्प से ही बिना भाग दिये उत्तर निकाल लेता है। इसे कौन-सी विधि माना जायेगा ?

(a) समरूपी विधि

(b) पश्चगामी विश्लेषण विधि

(c) ह्यूरिस्टिक विधि

(d) त्रुटि एवं प्रयास विधि

# समस्या समाधान की वैज्ञानिक विधि एवं बच्चा

समस्या समाधान की वैज्ञानिक विधि में निम्नलिखित चरण आते है–

1. समस्या की पहचान
2. संकल्पना निर्माण
3. आँकड़े इकट्ठा करना
4. संकल्पना का परिक्षण
5. निष्कर्ष

# समस्या समाधान में आने वाली बाधायें

1. **मानसिक प्रारूपता** (Mental Set)
2. **कार्यात्मक जड़ता** (Functional Fixedness)
3. **मोर्चा बंदी** (Partianism)
4. **आँकड़ों की कमी** (Lack of data)
4. **अनम्यता** (Non Flexbility)

**प्रश्न : निम्न में से कौन-सा तत्व समस्या समाधान में बाधक होगा?**

(a) कारण एवं प्रभाव

(b) त्रुटि एवं प्रयास

(c) मोर्चा बंदी

(d) सूझ

प्रश्न : एक छात्र फेल होने के बाद भी अपनी रणनिति नहीं बदलना चाहता। इसे क्या कहा जायेगा ?

(a) लचीलापन

(b) आधुनिकता

(c) अनम्यता

(d) सूझ

प्रश्न : अलग-अलग परिस्थितियों में व्यक्ति द्वारा एक ही तरीका समस्या समाधान के लिए प्रयोग करना क्या कहलाता है?

(a) प्रतिक्रिया समुच्चय

(b) आँकड़े का अभाव

(c) मोर्चा बंदी

(d) सूझ

# अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक

निजी कारक –

1. पूर्व ज्ञान
2. तत्परता
3. अभ्यास
4. जिज्ञासा
5. रूचि
6. बिमारी
7. चोट
8. दुर्घटना
9. बुद्धि
10. ग्रहण शक्ति
11. थकान
12. मानसिक दशा

प्रश्न : निम्न में से कौन-सा अधिगम को प्रभावित करने वाला वातावरणीय कारक है-

(a) तत्परता

(b) पूर्वज्ञान

(c) प्रोत्साहन

(d) मानसिक दशा

प्रश्न : निम्न में से कौन-कौन से अधिगम को प्रभावित करने वाले निजिकारक है -

(1) रूचि (2) तत्परता

(3) संस्कृति (4) पुनरावृत्ति

(a)1, 4, 2

(b)1, 2, 3

(c)1, 3, 4

(d)2, 3, 4

# बाह्य कारक

1. शिक्षण विधि
2. पाठ्यक्रम का स्वरूप
3. पोषण
4. वातावरण
5. घर का माहौल
6. शिक्षक का स्वभाव
7. कक्षा का वातावरण

# अधिगम एवं अभिप्रेरणा

## अभिप्रेरणा चक्र में निम्नलिखित चरण आते है–

मैस्लों का अभिप्रेरणा का पदानुक्रमित मांग का सिद्धान्त - इस सिद्धान्त में मैस्लों ने निम्नलिखित पांच मागें बताई है। जो एक क्रम में पूरी होती है। इन्हें एक त्रिभुज में दिखाया गया है-

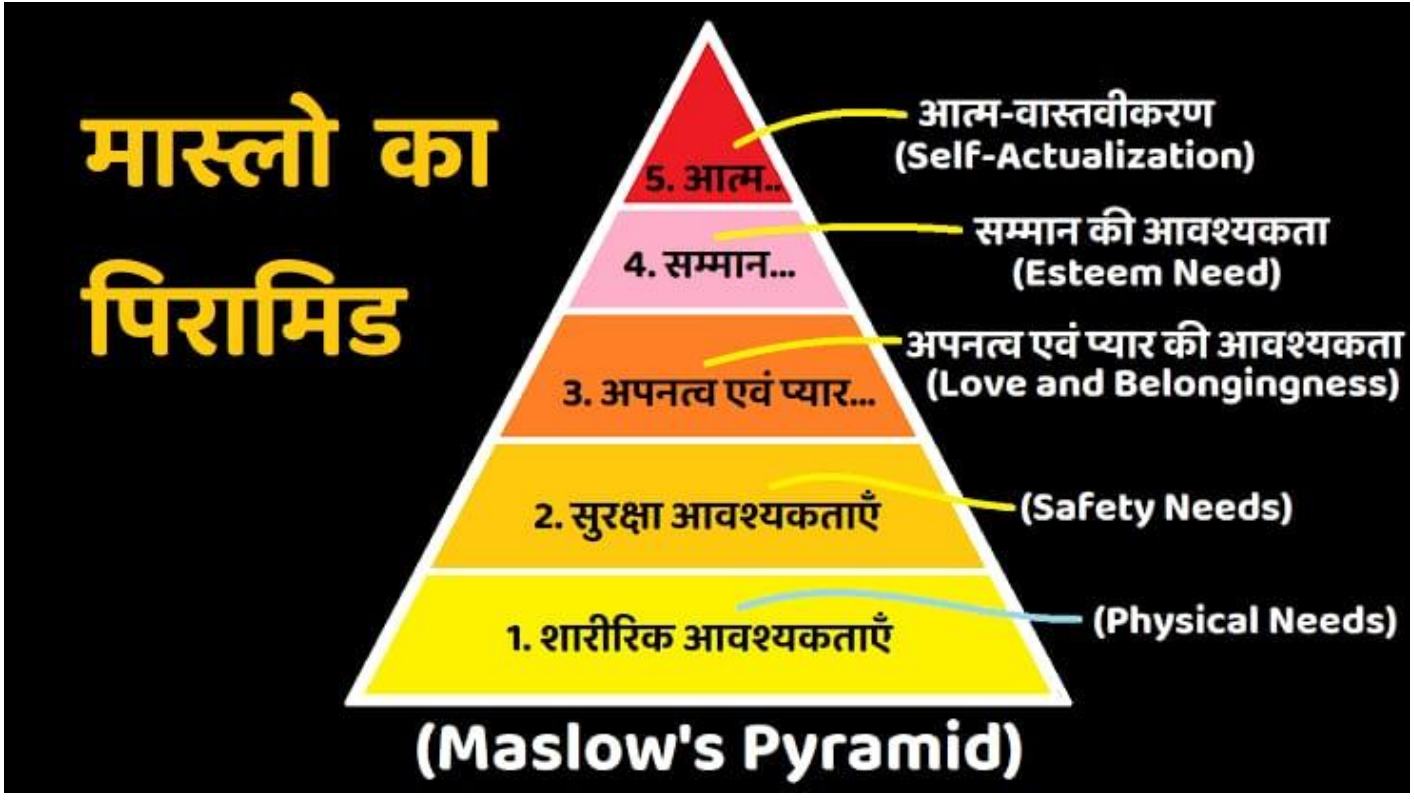

प्रश्न : एक महिला ने अपने बच्चे को भोजन के लिए बेच दिया यह निम्न में से कौन-सी मांग को दिखाता है -

(a) आत्म वास्तवीकरण

(b) सम्मान

(c) सुरक्षा

(d) शारीरिक

प्रश्न : कैप्टन बत्रा का युद्ध में देश के लिए शहीद हो जाना किस मांग को प्राप्त करना दिखाता है –

(a) आत्म वास्तवीकरण

(b) सम्मान

(c) सुरक्षा

(d) शारीरिक

# अधिगम एवं अभिप्रेरणा

**अधिगम के दौरान बालक को अभिप्रेरित करने के तरीके**

1. पूर्व ज्ञान से जोड़कर
2. बालक के रूचि को वरीयता देकर
3. तत्परता पहचान कर
4. जिज्ञासा जागृत करके
5. भ्रम दूर करके
6. प्रोत्साहन द्वारा
7. उपयुक्त शिक्षण विधि अपनाना
8. कक्षा में साकारात्मक वातावरण

**प्रश्न : अगर व्यक्ति के सामने दो धनात्मक लक्ष्य और वह उनमें से एक को ही प्राप्त कर सकता हो, तो इस अवस्था में कौन-सा संघर्ष उत्पन्न होगा –**

**(a)ग्राह-ग्राह संघर्ष/ Approach-approach conflict**

**(b)परिहार-परिहार संघर्ष/Avoidance-avoidance conflict**

**(c)ग्राह परिहार संघर्ष / Approach-avoidance conflict**

**(d)बहु ग्राह परिहार संघर्ष / Multi approach-avoidance conflict**

**प्रश्न : निम्न में से किसे अभिप्रेरणा का समानार्थी मानते है–**

**(a) प्रणोद / Drive**

**(b) प्रोत्साहन / Incentive**

**(c) आवश्यकता / Need**

**(d) पुर्नबलन / Reinforcement**

प्रश्न : निम्न में से कौन-सा आंतरिक प्रेरणा का संकेतक है-

(a) प्रर्दशन उन्मुखी प्रयास/ Performance Oriented

(b) परिहार उन्मुखी प्रयास/ Avoidance Oriented

(c) ग्राह्य उन्मुखी प्रयास/ Approach Oriented

(d) निपुणता उन्मुखी प्रयास/ Mastery Oriented

प्रश्न : एक शिक्षिका अपने छात्रों से आंतरिक रूप से अभिप्रेरित होने के लिए निम्न में से क्या कह सकती है–

(a) इस कार्य को करों, मैं तुम्हें खाने के लिए बिस्किट दुंगी।

(b) अगर मेरी डाँट नहीं खानी है, तो इस काम को करों।

(c) आओ, करके देखें यह कार्य कितना मजेदार है।

(d) कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करने के लिए तुम्हें इसे करना चाहिए।

# संज्ञान और संवेग

## संवेग की विशेषताएँ

1. अनिश्चितता
2. परिवर्तनशीलता
3. व्यापकता
4. स्थानान्तरण
5. विवेकशून्यता
6. सुःखद या दुःखद
7. शारीरिक परिवर्तन
8. व्यवाहारात्मक पक्ष
9. मूल प्रवृत्यात्मक

प्रश्न : किसी के मौत का समाचार सुनकर दुःखी हो जाना सिद्ध करता है –

(a) संज्ञान और संवेग आपस में कोई सम्बन्ध नहीं रखते

(b) संज्ञान और संवेग एक दूसरे के विरोधी है।

(c) संज्ञान और संवेग आपस में जुड़े है।

(d) संज्ञान और संवेग में एक तरफा सम्बन्ध है।

**प्रश्न : अधिगम से संवेगों का सम्बन्ध.....**

(a) अत्यन्त क्षीण है।

(b) कोई महत्व नहीं रखता।

(c) महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

(d) नकारात्मक रूप से जुड़ा है।

प्रश्न : यदि कोई छात्र कार्य करने का सामर्थ्य रखता है और उसे वह कार्य नहीं करने दिया जाता तो कौन-सा संवेग उत्पन्न होता है-

(a) कुण्ठा

(b) दुश्चिन्ता

(c) गर्व

(d) द्वन्द्व

प्रश्न : शर्मिन्दगी का अधिगम पर .....प्रभाव होता है।

(a) सकारात्मक

(b) संतोषजनक

(c) नकारात्मक

(d) सुखद

# संज्ञान

संज्ञान का अर्थ संवेदना प्रत्यक्षीकरण होता है। इसमें निम्नलिखित क्रियाएँ आती है।

1. सूचना प्राप्त करना
2. अर्थ निकालना
3. विश्लेषण
4. संश्लेषण
5. वर्गीकरण
6. निष्कर्ष
7. अनुप्रयोग

# निष्कर्ष

संज्ञान संवेग आपस में जुड़े है और एक–दूसरे को प्रभावित करते है।

**अपवाद –** सिर्फ राबर्ट जन्जोंक एकमात्र ऐसे मनोवैज्ञानिक है जिन्होंने संवेग और संज्ञान को अलग–अलग माना है।

# संज्ञान का सूचना प्रक्रमण सिद्धान्त

**इस सिद्धान्त में चार चरण है–**

1. **प्रत्यक्षीकरण** (Perception)
2. **विभेदन** (Discrimination)
3. **वर्गीकरण** (Classification)
4. **सामान्यीकरण** (Generalisation)

# ब्लूम का संज्ञानात्मक पक्ष

1956 में ब्लूम द्वारा दिये गये इस पक्ष में निम्नलिखित 6 चरण आते है –

1. ज्ञान
2. बोध
3. अनुप्रयोग
4. विश्लेषण
5. संश्लेषण
6. मूल्यांकन

# ज्ञान के प्रकार

1. स्पष्टज्ञान (Explicit Knowledge)
2. निहित ज्ञान (Implicit Knowledge)
3. घोषणात्मक ज्ञान (Declarative Knowledge)
4. प्रक्रियात्मक ज्ञान (Procedural Knowledge)
5. मौन ज्ञान (Tacit Knowledge)
6. पश्चवर्ती ज्ञान (A posteriori Knowledge)
7. प्राथमिक ज्ञान (Priori Knowledge)
8. संज्ञान (Cognition)
9. अधिसंज्ञान (Metacognition)

**प्रश्न : साईकिल चलाना कैसे ज्ञान का उदाहरण है–**

(a) प्रकरणात्मक ज्ञान

(b) प्रक्रियात्मक ज्ञान

(c) घोषणात्मक ज्ञान

(d) अनुभवात्मक ज्ञान

प्रश्न : त्रिभुज के तीन कोण होते है। यह कैसे ज्ञान का उदाहरण है–

(a) प्रकरणात्मक ज्ञान

(b) प्रक्रियात्मक ज्ञान

(c) घोषणात्मक ज्ञान

(d) अनुभवात्मक ज्ञान

प्रश्न : ऐसा ज्ञान जो किसी को बताया नहीं जा सकता। कैसा ज्ञान कहलायेगा –

(a) मौन ज्ञान

(b) प्रक्रियात्मक ज्ञान

(c) घोषणात्मक ज्ञान

(d) अनुभवात्मक ज्ञान

# शिक्षण की विशेषताएँ

1. दो तरफा प्रक्रिया
2. अंतःक्रियात्मक प्रक्रिया
3. औपचारिक अनौपचारिक प्रक्रिया
4. सामाजिक प्रक्रिया
5. लक्ष्योन्मुखी प्रक्रिया
6. बालकेन्द्रित एवं सक्रिया प्रक्रिया
7. निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया
8. परिमार्जन की प्रक्रिया
9. स्थानान्तरण की प्रक्रिया
10. सार्वभौमिक प्रक्रिया
11. द्विमुखी एवं त्रिमुखी प्रक्रिया

# 21 अचूक ट्रिक्स

1. बालकेन्द्रित शिक्षा
2. समावेशी शिक्षा
3. प्रगतिशील शिक्षा
4. त्रुटि एवं प्रयास
5. निदान एवं उपचार
6. वंशानुक्रम एवं वातावरण
7. वैयक्तिक विभिन्नता
8. संज्ञान और संवेग
9. अभिसारी और अपसारी चिन्तन
10. विकास के 14 सिद्धान्त
11. अधिगम के लिए आकलन
12. अधिगम का आकलन
13. अधिगम के रूप में आकलन
14. आन्तरिक प्रेरणा
15. पूर्व ज्ञान
16. गतिविधि आधारित अधिगम
17. लिंग पूर्वाग्रह
18. चिन्तन
19. विद्यालय आधारित आकलन
20. निर्माण एवं सृजनशीलता

# दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016

- यह दिव्यांगों पर बनाया गया सबसे नवीन अधिनियम है जो 1995 वाले अधिनियम को निरस्त करता है।
- इसमें कुल 17 अध्याय तथा 1 अनुसूची है।
- इसी अधिनियम में सबसे पहली बार दिव्यांग शब्द का प्रयोग किया गया।
- इसमें दिव्यांगता को 1995 वाले अधिनियम के सात प्रकारों से बढ़ाकर 21 प्रकार कर दिया गया है।

- 1995 वाले अधिनियम में दिव्यांगों को 3 प्रतिशत आरक्षण सरकारी नौकरियों में दिया गया था। जिसे बढ़कार 4 प्रतिशत कर दिया गया है।
- इस अधिनियम के आ जाने से RTE – 2009 में दिव्यांग छात्र की उम्र बढ़कार 6 से 14 वर्ष हटाकर 6 से 18 वर्ष कर दी गई है।
- अधिनियम के अध्याय 3 में दिव्यांगों की शिक्षा तथा 4 में रोजगार का वर्णन है।
- उच्च शिक्षा में दिव्यांगों का आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

❖इसमें दिव्यांगता के 21 प्रकार माने गये है। जो निम्नलिखित है –

- अस्थिबाधित दिव्यांगता
- प्रमस्तिष्क घात (Cerebral palsy)
- स्वलीनता (Autism)
- कुष्ठ रोग मुक्त
- बौनापन
- मांस पेशीय दुर्विकास
- तेजाब हमला पीड़ित
- दृष्टिहीनता
- अल्पदृष्टि
- पार्किसन्स बिमारी
- श्रवण दोष

- मानसिक मन्दता
- बौद्धिक दिव्यांगता
- विकृत कोशिका बिमारी
- हिमोफीलिया
- थैलेसीमिया
- मानसिक रोगी
- भाषा या मूख दिव्यांगता
- बहु दिव्यांगता
- बहु – स्केलेरोसिक
- विशेष अधिगम अक्षमता

Q. निम्नलिखित में से कौन-सा विकासात्मक विकार का उदाहरण नहीं है?/Which of the following is not example of developmental disorder ?

(a) आत्मविमोह (Autism)

(b) प्रमस्तिष्क घात (Cerebral palsy)

(c) पर-अभिघातज तनाव (Post- traumatic

(d)न्यून अवधान सक्रिय विकास (Attention deficit hyperactivity disorder)

Q. 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' के अनुसार बौद्धिक क्रियाशीलता में सीमाबद्धता वाले व्यक्ति को संबोधित करने का उचित तरीका क्या है ?

1. मानसिक मंदित
2. बौद्धिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति
3. मानसिक दिव्यांग
4. व्यक्ति जिसे बौद्धिक अक्षमता है

**Q. निम्नलिखित में से कौन सा विकासात्मक दिव्यांगता का एक प्रकार नहीं है?**

1. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार
2. डाउन सिंड्रोम
3. मस्तिष्क पक्षाघात
4. मल्टीपल स्क्लेरोसिस

Q. निम्नलिखित में से कौन सी बच्चों में स्थायी शारीरिक विकलांगता है?

I. प्रमस्तिष्क पक्षाघात

II. मांसपेशीय दुर्विकास

III. बौनापन

1. I तथा II
2. केवल I
3. I, II तथा III
4. केवल II

Q. निम्नलिखित में से कौन-सा अभ्यास विकलांग बच्चों के संदर्भ में समावेशन को बढ़ावा देता है?

i. बाधा मुक्त पहुँच

ii. सहायक यंत्र और तकनीकी-आधारित उपयुक्त उपकरण

iii. सामान्य या विशेष विद्यालय के साथ-साथ गृह आधारित शिक्षा का विकल्प

iv. एकरूप संरचनाबद्ध पाठ्यचर्या और आकलन के तरीके

1. (i), (ii), (iii)
2. (i), (ii), (iv)
3. (i), (iii), (iv)
4. (ii), (iii), (iv)

**Q.मानसिक विमन्दित शब्द को किस शब्द के साथ प्रतिस्थापित किया गया है?**

1. बौद्धिक अयोग्यता
2. मानसिक कमजोरी
3. बौद्धिक पिछड़ापन
4. बौद्धिक प्रतिकूलता

# NEP - 2020

## प्रमुख बिन्दु :

- NEP - 2020 - भारत की तीसरी शिक्षा नीति है जिसके अध्यक्ष डॉ. के कस्तूरी रंगन है ।
- NEP - 2020 - 21 वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है। इसके पहले 1992 के शिक्षा नीति का संसोधित रुप लाया गया था।

- NEP - 2020 - का लक्ष्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन पर्यन्त शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने का लक्ष्य है।
- SDG - का अर्थ है - Sustainable Development Goal / सतत विकास लक्ष्य
- जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ बनाया गया है। तथा इसका चौथा लक्ष्य शिक्षा को रखा गया है।
- UNO - ने कुल 17 लक्ष्य बनाये है तथा शिक्षा इसमें 4 थें स्थान पर आता है।

**प्रश्न : निम्नलिखित में से किसे विकलांग छात्रों के शिक्षा के संदर्भ में NEP 2020 द्वारा बढ़ावा नहीं दिया गया है–**

**A.उपयुक्त बुनियादी संरचना / Appropriate infrastructure**

**B.एक छात्र के लिए एक शिक्षक और प्रशिक्षक / One on one teachers and tutors**

**C.अनिवार्य विशेष शिक्षा / Compulsory Special Education**

**D.उपयुक्त तकनीकी हस्तक्षेप / Suitable technological interventions**

- इस शिक्षा नीति में वर्ष 2025 तक कक्षा - 3 तक प्रत्येक छात्र को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान [FLN में निपुण बनाने का लक्ष्य रखा गया] इसके लिए **भारत का शिक्षा मंत्रालय (निपुण अभियान)** चला रहा है। जिसका लक्ष्य 2026 - 27 रखा है।
- यह नई शिक्षा नीति में **कला / वाणिज्य विज्ञान** जैसी विभाजन नही होगी। ताकि विषयों के चुनाव में लचीला पन बढ़ाया जा सके ।
- सभी शिक्षकों को अपने सतत् व्यावसायिक विकास के लिए प्रत्येक वर्ष 50 घन्टे का एक सतत् व्यवसायिक विकास Module Join करना होगा। जिसे **NISTHA** कहा जायेगा।

Q. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ———— से ———— तक शैक्षणिक बदलाव का प्रस्ताव है/National Education Policy 2020 proposes pedagogical shift from ———— to ————

A. रचनावाद: व्यवहारवाद / constructivism; behaviourism

B. रटन अधिगम; संकल्पनात्मक समझ / rote learning: conceptual understanding

C. पूछताछ आधारित शिक्षा, प्रयोग और अभ्यास / inquiry based learning, drill and practice

D. अधिगम के लिए मूल्यांकन अधिगम का आकलन/ assessment for learning; assessment of learning

- जिसे निष्ठा (NISHTHA) National Initiative for Schools Heads and Teachers Holistic Advancement.
- 5 + 3 + 3 + 4
- 5 = वर्ष - 3 वर्ष Preschool + कक्षा 1, 2 = Foundation stage
- 3 = 3 वर्ष - कक्षा 3, 4, 5 = Preparatory stage
- 3 = 3 वर्ष - 6, 7, 8 = Middle stage
- 4 = 4 वर्ष - 9, 10, 11, 12 = Secondary stage
- उपर्युक्त चारो चरणों की उम्र सीमा क्रमशः 3 - 8 वर्ष , 8 -11 वर्ष, 11-14 वर्ष रखी गई है

Q.NEP 2020 अनुशंसा करता है कि सभी लड़कियों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए समान गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्र की क्षमता का निर्माण करने के लिए फंड फंड का नाम क्या होगा?

A. जेंडर प्रमोशन फंड

B. लिंग – शिक्षा कोष

C. लिंग समावेश कोष

D. लिंग -रोजगार निधि

- **[NCF - 2022 - Fs]**
- **NCF - 2022 - का पहला भाग 3 - 8 वर्ष के लिए है जिसे हाल ही में जारी किय गया है इसे NCF - 2022 [Fs] Foundation stage . कहते हैं.**
- **Pre-School (3 - 6) की शिक्षा या शुरुआती 3 वर्षों को नई शिक्षा नीति को बालवाटिका कहा गया है ।**
- **कक्षा 1 में प्रवेश प्रत्येक बच्चे को 3 महीने का स्कूल तैयारी मॉड्यूल SPM JOIN करना पड़ेगा। जिसे विद्या प्रवेश कहा जाएगा ।**
- **NEP - 2020 - में प्रवेश शिक्षक छात्र अनुपात 1: 30 से कम रखने तथा अपवंचित क्षेत्रों में इसे 1 : 25 से कम रखने की सलाह दी गई ।**

Q. एनईपी 2020 के अनुसार स्कूली शिक्षा में किस आयु वर्ग के बच्चे शामिल हैं ?/According to NEP2020, what age group of children is covered in school education?

A. 16-18

B. 3-18

C. 6-18

D. 5-18

# दीक्षा [DIKSHA]

- शिक्षकों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के शिक्षण की बारिकिया FLN से जुडी बेहतरीन शिक्षण सामग्री आदि से परिचित कराने के लिए पोर्टल बनाया जाएगा जिसे दीक्षा [DIKSHA] कहते है।
- Digital Infrastructure for Knowledge sharing.
- इस शिक्षा नीति में वर्ष 2030 तक सभी बच्चों को स्कूलों से जोड़ने के लिए तथा ड्राप आउट दर शून्य करने के लिए 100% सकल नामांकन अनुपात [GER] (3 - 18) वर्ष का लक्ष्य रखा गया है।

- इस शिक्षा नीति में चहुमुकी आकलन किया जाएगा। जिसमें छात्र, सहपाठी शिक्षकों माता -पिता सभी का आकलन शामिल होगा। तथा ऐसे रिपोर्टकार्ड को सम्पूर्ण प्रगति कार्ड Holistic Progress Card कहा जाएगा। जो $360^0$ मूल्यांकन पर आधारित होगा।
- इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय आंकलन केन्द्र (NAC) स्थापित किया जाएगा। जिसे हम संक्षेप में परख कहते है। जिसका पूर्णरुप है [PARAKH] Performance Assessment Review & Analysis of knowledge for Holistic development.
- इस शिक्षा नीति में कक्षा 3 , 5 और 8 के लिए परीक्षाएं पास करना जरुरी होगा।

- सभी विश्व विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा इस समान नियम लागू होगी और इनके लिए CUET कराई जायेगी [Common University Entrance Test]
- वर्ष - 2030 से शिक्षक बनने के लिए B.Ed डिग्री अनिवार्य हो जाएगी।
- इस शिक्षा नीति में आसपास के कुछ स्कूलों को मिलाकर शिक्षकों का अनुभव तथा संसाधनों के आदान प्रदान की संकल्पना की गई।
- ऐसा कहा गया है कि 5 - 10 किमी. के अन्दर एक माध्यमिक विद्यालय ऐसा होगा जिसमें उस क्षेत्र के आगनवाड़ी से लेकर सभी विद्यालय शामिल होंगे इसे स्कूल complex कहा जाएगा।

**Q.आकलन के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्या प्रस्तावित करती है? In the context of assessment, National Education Policy 2020 proposes**

**A. विश्लेषण और आलोचनात्मक सोच जैसे उच्च क्रम के कौशल का परीक्षण। /Testing of higher order skills such as analysis and critical thinking**

**B. प्रत्यास्मरण आधारित वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण I/Recall based objective types tests.**

**C. आकलन के योगात्मक तरीके /Summative methods of assessment.**

**D. परीक्षा के लिए सीखना / Learning-for-exams.**

- इस नीति के तहत निजी और सार्वजनकि स्कूलों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक सार्वजनिक एवं निजी स्कूल को आपस में जोड़ा जाएगा। ताकि एक दूसरे को संसाधन के लाभ उठा सके।
- राज्य एवं केन्द्रशासित स्तर पर स्कूलों से जुड़े मानक बनाने पर राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण (SSSA) की स्थापना की जाऐगी।
- इस शिक्षा नीति में 2025 तक सभी विद्यार्थियों में कम से कम 50% को व्यावसायिक शिक्षा देने का लक्ष्य रखा है।
- देश भर में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए Nation Research Foundation की स्थापना की जाएगी।

**Q. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 किसकी ओर बदलाव का प्रस्ताव रखती ?National Education Policy 2020 proposes a shift towards**

**A. यह सीखना कि कैसे सीखना है। learning to learn**

**B. रटकर सीखने की प्रक्रिया I/ rote learning**

**Advertisement**

**C. पाठ्यक्रम सामग्री में वृद्धि / increase in course content**

**D. मानकीकरण/ standardization**

- वर्ष 2030 तक 100% वयस्क साक्षरता को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया गया है।
- इस शिक्षा नीति द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय को जो 1985 में बनाया गया था । इसे हटाकर फिर से शिक्षा मंत्रालय की स्थापना की गई।
- इस नीति के अनुसार RTE - 2009 की उम्र सीमा बढ़ाकर 3-18 वर्ष की गई है।
- इस शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा में 2035 तक सकल नामंकन अनुपात 50% बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।
- जिसके अन्तर्गत उच्च शिक्षा मे 3 करोड़ नई सीटे जोड़ दी गई।

**Q. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 किस पर बल देती है।/National Education Policy 2020 emphasizes on-**

**A. लचीला बहु-स्तरीय गति आधारित अधिगम / flexible multi-level activity- based learning.**

**B. बच्चों के केवल संज्ञानात्मक विकास से संबंधित पहलू/ only the related to cognitive development of children. aspects**

**C. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के मानकीकरण पर standardization of a national curriculum.**

**D. बच्चों के स्मरण कौशलों के मापन पर/measurement of memorization abilities of children.**

- इस शिक्षा नीति में पहले मौजूद संस्थानों के एकीकरण के लिए नालन्दा एवं मिशन तक्षशिला का शुभआरम्भ किया जाएगा।
- इस शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों या स्वायत्त कालेजों द्वारा कानून Medical शिक्षा को छोड़कर बाकी सारे कोर्स एक साथ प्रदान किये जाएंगे ।
- इस शिक्षा नीति द्वरा M. Phil Course को बन्द कर दिया जाएगा।
- इस शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा के अन्तर्गत बहुविकास-बहुप्रवेश प्रणाली [Multiple Entry and Multiple Ext system] को अपनाया जाएगा

Q. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में निम्नलिखित में से किसकी वकालत नहीं की गई है? ।

(i) संरचनात्मक समझ पर जोर

(ii) योगात्मक मूल्यांकन

(iii) पाठ्यक्रम में वृद्धि

(iv) प्रौद्योगिकी के उपयोग में कमी

A. (i)(ii)

B. (ii) (iv)

C.(i) (ii) (iii)

D. (ii) (iii) (iv)

- स्नातक स्तर पर कोर्स अधूरा नही माना जाएगा । प्रत्येक वर्ष निम्न तरीके से समझा जाएगा ।
- 1 वर्ष पूरा करने पर = Certificate
- 2 वर्ष पूरा करने पर = Diploma
- 3 वर्ष पूरा करने पर = Degree
- 4 वर्ष पूरा करने पर = Degree + Research
- शिक्षा में विशेषीकरण पर जो दिया जायेगा तथा व्यावसायिक कोर्स में उसी क्षेत्र पर जोर दिया जाएगा। जिसके लिए छात्र तैयारी कर रहा है।

- इस शिक्षा नीति के अन्तर्गत MERU था बहुविषयक शिक्षण एवं अनुसंधान विश्व-विद्यालय स्थापित करने की बात की गई है जिसका पूर्ण रुप है [MERU] Multidisiplinary Educational Research University
- P.hd करने के लिए या तो (Honors) के साथ 4 वर्षीय Graduate Degree या फिर P.G डिग्री अनिवार्य होगी।
- अब से उच्च शिक्षा में भारतीय उच्चतर शिक्षा आयोग (HECI) सबसे बड़ा मानक निर्धारक संस्थान होगा।
- विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग का नाम बदलकर उच्च शिक्षा अनुदान परिषद [HEGC] रख दिया जाएगा ।

**Q. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) द्वारा किए गए प्रस्तावों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?**

A. NEP 2020 का प्रस्ताव है कि मूल्यांकन के लिए विभिन्न पद्धतियों तथा कार्यनीतियों जैसे समूह कार्य और वार्तालाप गतिविधि का उपयोग किया जाए।

B. NEP 2020 में रचनात्मक से योगात्मक मूल्यांकन में स्थानांतरण का प्रस्ताव है।

C. NEP 2020 का प्रस्ताव है कि शिक्षक द्वारा मूल्यांकन के अलावा स्व-मूल्यांकन तथा सहकर्मी मूल्यांकन जैसी अन्य विधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

D. NEP 2020 की प्रस्ताव है कि विद्यार्थी के रिपोर्ट कार्ड में संज्ञानात्मक भावात्मक तथा मनः प्रेरक कार्यक्षेत्र में प्रगति होनी चाहिए।

- इस शिक्षा नीति में शैक्षिक रुप से अपवंचित क्षेत्रों में विशेष क्षेत्र [SEZ] Special Education Zones - स्थापित करने की बात कही गई।
- बालिकाओं एवं Trans Genders को शिक्षा में समावेशित करने के लिए लिंग समावेशन कोश (Gender Inclusive Fund) स्थापित करने की बात कही गई है।
- 1968 की शिक्षा नीति में GDP का 6% शिक्षा पर व्यय करने की शिफारिस की गई है. जो वर्तमान में 4.3% है इसे 6% करने की बात कही गई है।

- सर्व शिक्षा अभियान का नाम बदलकर समग्र शिक्षा योजना कर दिया जाएगा।
- उच्च शिक्षा के लिए भारत में अब एक ही संस्थान होगा जिसे हम भारतीय उच्च शिक्षा आयोग [HECI]
- शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए इस शिक्षा नीति में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा फोरम स्थापित करने की शिफारिस की गई ।
- शिक्षा के सभी स्तरों पर डिग्री ऊच नीच को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट बैंक की स्थापना की जाएगी। जिसे Academic Bank of Credit (ABC) कहा जायेगा।

- जिसमें प्रत्येक डिग्री को कुछ क्रेडिट अंक दिया जाएगा ताकि भविष्य में व्यवसाय देने वाले संस्थानो को धोखाधड़ी का सामना न करना पड़े।
- इस प्रकार के क्रेडिट की शुरुआत अवधि 7 वर्ष होगी ।
- इस शिक्षा नीति को 30 जुलाई 2020 को जारी किया गया ।
- इस शिक्षा नीति को बनाने के लिए जून 2017 में डा. के. कस्तूरी रंगन के अध्यक्षता में प्रारुप समीति बनाई गई थी जिसकी रिपोर्ट सरकार को मई 2019 में सौंपी गई।

- इस शिक्षा नीति के अनुसार भारत में उच्च प्राथमिक स्कूलों में माध्यमिक स्कूलों में तथा उच्चतर माध्यमिक स्कूलो मे सकल नामांकन अनुपात क्रमशः
- 90.91 - 6 से 8 तक
- 79.3 - 9 से 10 तक
- 56.5 - 11 से 12 तक
- इस शिक्षा नीति में स्कूलों की एकीकरण की सिफारिश की गई क्योंकि RTE 2009 के आने के बादू स्कूलों की संख्या बढ़ी है तथा छात्र संख्या घटी है।

- **2016 - 17 के राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं में प्रति कक्षा -14 छात्र है।**
- **शिक्षकों में व्यवसायिक कौशल का विकास करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षक, व्यवसायिक मानक संहिता बनाई जाएगी।**
- **National Professional Standard for Teacher.**

# शिक्षा का अधिकार अधिनियम - 2009

## RTE - 2009

- इस अधिनियम का पूरा नाम मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम - 2009 है।
- इसकी शुरुआत दिसम्बर 2002 में लाये गये भारतीय संविदान के 86 वें संशोंधन से हुई।

- 1 अप्रैल 2010 को तत्कालीन जम्मू कश्मीर को छोड़कर यह सम्पूर्ण भारत में लागू हुआ। आज जम्मू और कश्मीर में भी लागू है।

- इस अधिनियम में कुल 38 धाराएं एवं 7 अध्यायय तथा 1 अनुसूची है।

# धाराएँ

- **धारा - 1 :** अधिनियम लागू होने की तारीख विस्तार क्षेत्र तथा संक्षिप्त नाम
- **धारा - 2 :** महत्वपूर्ण शब्दों की व्याक्या –
- इस अधिनियम में महत्वपूर्ण शब्दों की व्याख्या की गई है।
- **1. बालक :** 6 से 14 वर्ष के सभी बालक बालिकाएं
- **2. समुचित सरकार :** केंद्र और राज्य संघ शासित प्रदेश की सरकारें
- **3. स्थानीय सरकार :** जैसे - जिला पंचायत, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत

- **Q. RTE 2009 के संबंध में सही कथन का चयन कीजिए- / Select the correct statement regarding RTE-2009-**
- **(i) सरकारी अध्यापक निजी शिक्षण प्रक्रिया में भाग नहीं लेगा / Government teachers will not participate in the private teaching process.**
- **(ii) विद्यालय प्रबंधन समिति को विकास योजनाओं का प्रारूप तैयार करेना / Draft development plans for the school.**
- **(iii) बालक को एक ही कक्षा में रोका जा सकता है / The child is kept in the same class,**
- **(iv) सतत् एवं समग्र मूल्यांकन / Continuous and Comprehensive Evaluation Code**

**कूट :**

**(a) केवल (i) एवं (iii)**
**(b) केवल (ii) एवं (iv)**
**(c) (i), (ii) एवं (iv)**
**(d) उक्त सभी**

- Q. निःशक्त बच्चों के लिए समेकित शिक्षा की केंद्रीय प्रायोजित योजना का उद्देश्य शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराना है। इन बच्चों के लिए कौनसा विद्यालय उपयुक्त है-/ The objective of the Centrally Sponsored Scheme of Integrated Education for Children with Disabilities is to provide educational opportunities. Which school is suitable for these children?
- (a) विशेष विद्यालय / Special School
- (b) मुक्त विद्यालय / Open School
- (c) ब्लाइण्ड, रिलीफ सोसायटी के विद्यालय / School of the Blind, Relief Society
- (d) नियमित विद्यालय / Regular School.

- **4. अपवंचित वर्ग :** एसटी, एससी, ओबीसी, दिव्यांग तथा अल्पसंख्यक
- **5. कमजोर वर्ग :** सरकार द्वारा बनाई गई आय सीमा के अंतर्गत आने वाले कमजोर वर्ग
- **6. स्कूल :** राजकीय सहायता प्राप्त विशिष्ट पूर्णता निजी विद्यालय
- **धारा - 3 :** यह अधिनियम 6 - 14 वर्ष के सभी बालक बालिकाओं को प्राप्त होगा।
- **धारा - 4 :** प्रवेश का आधार बालक की उम्र को माना जाएगा तथा सुविधा के लिए कक्षा ज्ञात करने हेतु बालक की उम्र में से 5 या 6 घटाया जाएगा ।

- **Q. RTE-2009 के अनुसार गरीबी रेखा से नीचे जीवन व्यतीत करने वाले परिवारों के बालक किस में है।/ According to RTE-2009, in which category are the children of families living below the poverty line?**
- **(a) असुविधाग्रस्त क्षेत्रों के बालक/Children from disadvantaged areas**
- **(b) दुर्बल/कमजोर वर्ग के बालक/Weak/weaker section children.**
- **(c) विशेष श्रेणी के बालक/Special category children**
- **(d) उपरोक्त सभी /All of the above**

- **Q. शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के अनुसार यदि कोई विद्यालय कैपिटेशन शुल्क लेता है, तब उसके लिए क्या दंड दिये जाने का प्रावधान है?**
- **(1) लिये गये प्रतिव्यक्ति के शुल्क के दस गुना तक अर्थ दंड**
- **(2) लिये गये प्रतिव्यक्ति शुल्क के बीस गुना तक अर्थ देख**
- **(3) लिये गये प्रतिव्यक्ति शुल्क के तीस गुना तक अर्थ दंड**
- **(4) लिये गये प्रतिव्यक्ति शुल्क से 10 गुना तक अर्थ दंड एवं 1 साल का कारावास**

**Q. निम्नांकित में से कौन सा शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के संदर्भ में सही नहीं है?**

(1) इसका भाग 17 बच्चों की दंड से रक्षा करता हैं

(2) इसका भाग 14 प्रति व्यक्ति शुल्क संग्रहण का निषेध करता है

(3) इसके भाग 21 में विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रावधान है।

(4) इसका भाग 28 शिक्षकों के निजी ट्यूशन को निषिद्ध करता

- **धारा 5 - :** देश में कही भी स्थानान्तरित होने का अधिकार देने से मना नही कर सकते सूत्र ऐसे करने पर कानूनी कार्यवाही अगले विद्यालय में बिना [TC] के प्रवेश दिया जाएगा।
- **धारा 6 - :** अधिनियम आने के तीन वर्ष के भीतर बालक के घर से क्रमशः 1 और 3 किलोमीटर पर प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्थापित किये जाएंगे।
- **धारा 7 - :** अधिनियम के लागू होने वाले खर्चों से केन्द्र एवं राज्य सरकार के व्यय का अनुपात 65 : 35 और वर्तमान 60 : 40 है। लेकिन पूर्वोत्तर राज्यो के लिए यह अनुपात 90 : 10 रखा गया है।
- **धारा 8 - :** समुचित सरकार के कर्तव्य

- **Q. 25% बालकों की फीस का पुनर्भरण समुचित सरकार करेगी इसका उल्लेख RTE 2009 की किस धारा में हैं ?**
- **(a) धारा 10**
- **(b) धारा 11**
- **(c) धारा 12**
- **(d) धारा 14**

**Q. आंगनवाडी या बालवाड़ी 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए खोले जाएंगे का RTE Act 2009 में उल्लेख हैं ?**

(a) धारा 4

(b) धारा 7 में

(c) धारा 11 में

(d) धारा 9 में

- **धारा 9 - : स्थानीय सरकार के कर्तव्य**
- **धारा 10 - : माता - पिता के कर्तव्य की वे अपने 6 - 14 वर्ष के बच्चों को विद्यालय भेजे ।**
- **धारा 11 - : 3 - 6 वर्ष के बच्चो की पूर्व प्राथमिक शिक्षा आगनवाड़ी केन्द्रों या शिशु केन्द्रों के माध्यम से की जायेगी।**
- **धारा 12 - : निजी स्कूलों की 25% सीटे 3 अपवंचित वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षित होगी जिसका खर्चा समुचित सरकार करेगी।**

Q. माता-पिता संरक्षण जेसी भी स्थिति में हो अपने बच्चों को जिसकी आयु 6 से 14 वर्ष तक के बीच में शिक्षा देने का अवसर प्रदान करेंगे । यह प्रावधान किस अनुच्छेद में हैं ?

(a) अनुच्छेद 21 A

(b) अनुच्छेद 51

(c) अनुच्छेद 51 A

(d) अनुच्छेद 52

**Q. शिक्षा का अधिकार विधयेक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर किस तिथि को हुए ?**

**(a) 4 अगस्त 2009**

**(b) 1 अप्रेल 2010**

**(c )20 जुलाई 2009**

**(d )26 अगस्त 2009**

**Q. RTE ACT की धारा 27 के अनुसार शिक्षक को निम्न में से किस कार्य में नहीं लगाया जाएगा ?**

(a) 10 वर्षीय जनगणना

(b) आपदा राहत कार्य

(c) पल्स पोलियों अभियान

(d) चुनाव कार्य

**Q. शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के क्रियान्वयन के बाद कक्षा कक्ष :-**

(a) जेंडर के अनुसार अधिक समजातीय है

(b) आयु के अनुसार अधिक समजातीय हैं

(c) आयु के अनुसार अधिक विषम जातीय हैं

(d) अप्रभावी है क्योंकि शिक्षा का अधिकार विद्यालय में कक्षा की औसत आयु को प्रभावित नहीं करता हैं

- **धारा 16 - :** अवरोधन निष्कासन पर रोक अर्थात, किसी भी बालक को कक्षा 8 तक न तो फेल किया जाएगा और न ही निष्कासित किया जाएगा।
- **Note :** (धारा 16 और 17 को स्वर्ण धारा के नाम से भी जाना जाता है)
- **धारा 17 - :** बच्चे के लिए किसी भी प्रकार के मानसिक प्रतारणा तथा दण्ड पर रोक लगा दी।
- **धारा 18 - :** बिना मान्यता के स्कूल नही चलाया जाएगा पकडे जाने पर पहली बार 1 लाख रुपये जुर्माना तथा बाद में प्रत्येक बाद पिछली तिथी से प्रतिदिन 10 हजार रुपये के साथ जुर्माना भरना पड़ेगा।

Q. शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार बच्चों का किसी विशिष्ट कक्षा में प्रवेश का आधार होता है

(a) बालक का शैक्षिक स्तर

(b) बालक की उम्र

(c) बालक का सामाजिक आर्थिक स्तर

(d) पूर्व विद्यालय की उतीर्ण कक्षा

**Q. भारत के संविधान में किसके लिए निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा है ?**

**(A) सभी छात्रों के लिए**

**(B) 14 वर्ष तक के सभी छात्रों के लिए**

**(C) सभी छात्रों और प्रौढ़ों के लिए**

**(D) सभी नागरिकों के लिए**

- **धारा 19 - :** मान्यता प्राप्त करने के मान एवं मानदण्ड (अनुसूची मे) वर्णित है।
- **धारा - 20 - :** अनुसूची में संसोधन का अधिकार सिर्फ केन्द्र सरकार का होगा।
- **धारा 21 - :** प्रत्येक विद्यालय में एक प्रबंधन समीति हो इनके कुल सदस्यों की आधी संख्या महिलाओं की होगी । कुल संख्या का 3/4 भाग बच्चों के अभिभावकों से बनेगा। इसकी भी आधी संख्या महिलाओं की होगी ।

**Q. शिक्षा के अधिकार में वर्णित No-Detention Policy से तात्पर्य हैं**

(a) ग्रैड प्रदान करने की निति

(b) अनुत्तीर्ण नहीं करने की निति

(c) पारितोषिक नहीं देने की निति

(d) उच्च अंक प्रदान करने की निति

- **धारा 22 - :** SMC का मुख्य कार्य विद्यालय विकास योजना तैयार करना होगा। जो आगामी 3 वर्षों के लिए होगी । जिसमें 1 - 1 वर्ष की तीन योजनाए होगी ।
- **धारा 23 - :** शिक्षक की योग्यताएं सेवा शर्ते तथा वेतन आदि [TET - CTET]
- **धारा 24 - :** शिक्षकों के कर्तव्य :
- 1. नियमितता समय पालन
- 2. निर्धारित समय पर पाठ्य क्रम तैयार करना।
- 3. बच्चे के अभिभावक के संपर्क में रहना तथा अभिभावकों के साथ नियमित बैठके करना।

**Q. RTE Act 2009 की धारा 34 के तहत गठित राज्य सलाहकार परिषद का अध्यक्ष कौन होता हैं**

(a) मुख्यमंत्री

(b) शिक्षा मंत्री

(c) शिक्षा सचिव

(d) मुख्य सचिव

- 4. प्रत्येक छात्र की शैक्षिक क्षमता का आकलन करना।
- धारा 25 - : शिक्षक छात्र अनुपात
- (अनुसूची में वर्णित)
- धारा 26 - : विद्यालय के लिए निर्धारित शिक्षकों की कुल संख्या का 10% से ज्यादा पद खाली नही रखा जा सकता ।
- धारा 27 - : शिक्षकों को शिक्षण के अलावा 3 गैर - शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा सकता है।
- 1. चुनाव
- 2. जनगणना
- 3. आपदा राहत कार्य
- धार 28 - : सरकारी शिक्षकों को निजी ट्यूशन पर रोक

**धारा 29 - :** मूल्यांकन एवं पाठ्यक्रम के नियम

1. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन
2. समावेशी शिक्षा
3. संवैधानिक मूल्य के अनुसार मूल्यांकन
4. भयमुक्त वातावरण में शिक्षा
5. सर्वांगीण विकास
6. गतिविधि आधारित शिक्षा
7. मातृ भाषा द्वारा शिक्षा

**Q. निम्नांकित में से कौन सा शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के संदर्भ में सही नहीं है?**

**(1) इसका भाग 17 बच्चों की दंड से रक्षा करता हैं**

**(2) इसका भाग 14 प्रति व्यक्ति शुल्क संग्रहण का निषेध करता है**

**(3) इसके भाग 21 में विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रावधान है।**

**(4) इसका भाग 28 शिक्षकों के निजी ट्यूशन को निषिद्ध करता है।**

- **धारा 30 - :** कक्षा 8 तक कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नही की जाएगी तथा प्रारम्भिक शिक्षा (1 से 8 तक) पूरी होने पर पूर्णता का प्रमाण पत्र देना होगा।
- **धारा 31 - :** बच्चों से जुडी शिकायतों या अपराध के होने पर संरक्षण का वही अधिकार प्राप्त होगा जो बच्चों को बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 में प्राप्त है।
- **धारा 32 - :** बच्चों से जुड़ी किसी भी शिकायत को अभिभावक द्वारा लिखित रुप से देने पर 3 महीने के भीतर निपटारा करने होगा ।
- **धारा 33 - :** राष्ट्रीय स्तर पर RTE को लागू करने के लिए एक राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAS) का गठन किया जाएगा जिसकी न्यूनतम

**Q. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में वर्णित समुचित सरकार के कर्तव्यों के अनुसार केन्द्रीय सरकार का उत्तरदायित्व होगा**

**(1) अध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान करना।**

**(2) आसपास (पड़ोस) में विद्यालय की उपलब्धता को सुनिश्चित करना ।**

**(3) शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मानकों को विकसित और लागू करना।**

**(4) आधारभूत ढांचा प्रदान करना**

- संख्या 15 होगी या केन्द्र सरकार के अनुसार होगी। इसका अध्यक्ष MHRD/ शिक्षा मंत्री होगा ।
- **धारा 34 - :** राज्य सलाहकार परिषद का गठन न्यूनतम सदस्य 15 या राज्य सरकार की इच्छा के अनुसार जिसका अध्यक्ष शिक्षा मंत्री होगा ।

**Q.- अधिनियम 2009 के अनुसार अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित में से कौन सा उत्तरदायित्व पूरा नहीं किया जाना है?**

**(1) शैक्षिक कैलेण्डर (पंचाग) का विनिश्चिय करना।**

**(2) माता-पिता और अभिभावकों से नियमित बैठक रखना।**

**(3) विनिर्दिष्ट समय के भीतर संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा**

**(4) प्रत्येक बालक की अधिगम की क्षमता का आकलन करना**

- धारा – 35 – : अधिनियम को लागू करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकारें मार्गदर्शी सिद्धांत जारी करें।
- धारा – 36 – : जुर्माना लगाने से पूर्व सक्षम अधिकारी की अनुमति अनिवार्य।
- धारा – 37 – : केन्द्र, राज्य, स्थानीय सरकार, केन्द्र–शासित प्रदेशों की सरकारें, सलाहकार परिवद के सदस्य आदि के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।
- धारा – 38 – : इस अधिनियम के कुछ भाग राज्य सरकारें भी संशोधित कर सकती हैं।

Q. आर टी एक्ट 2009 की कौन सी धारा यह दर्शाती है कि प्रत्येक माता-पिता या संरक्षक का यह कर्तव्य होगा कि वह आसपास के विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा के लिए अपनी संतान या प्रतिपाल्य को प्रवेश दिलाए

(1) धारा 3

(2) धारा 2

(3) धारा 10

(4) भाग 15

# अनुसूची

- शिक्षक छात्र अनुपात (धारा . 25) – : प्राथमिक स्तर पर
- 60 छात्रों पर = 2 शिक्षक
- 61 से 90 = 3 शिक्षक
- 91 से 120 = 4 शिक्षक
- 121 से 200 तक = 5 + 1 शिक्षक
- 200 छात्रों तक शिक्षक छात्र अनुपात = 1 : 30 का होगा।
- 200 छात्र होने पर = 1 : 40

**Q. RTE Act 2009 की किस धारा में उल्लेख हैं कि बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय चलाना प्रतिबंधित होगा?**

(a) धारा 18

(b) धारा 20

(c) धारा 22

(d) धारा 24

## उच्च प्राथमिक स्तर पर – : (6 - 8)

- शिक्षक छात्र अनुपात = 1 : 35
- 100 + छात्र होने पर 1 प्रधान अध्यापक (पूर्णकालिक) तथा एक-एक कार्य-शिक्षा, कला शिक्षा तथा स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के अंशकालिक होंगें।
- गणित एवं विज्ञान, भाषा तथा सामाजिक अध्ययन के शिक्षक पूर्णकालिक होगें।

## कार्य दिवस एवं कार्य घण्टे – :

- प्रत्येक शिक्षक को सप्ताह में 45 घंटे कार्य करना होगा।
- प्राथमिक स्तर पर प्रत्येक शिक्षण सत्र में 200 कार्य दिवस या 800 कार्य घंटे होंगें।
- उच्च प्राथमिक स्तर पर प्रत्येक शिक्षण सत्र में 220 कार्य दिवस या 1000 कार्य घण्टे होंगे।

## धारा – 19 - : विद्यालय के मान मानदण्ड

(i) प्रत्येक मौसम में सुरक्षित रहने वाले विद्यालय भवन

(ii) शुद्ध एवं साफ पेयजल

(iii) बालक–बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालय

(iv) प्रत्येक विद्यालय में खेल का मैदान एवं खेल सामग्री

(v) प्रत्येक विद्यालय में पुस्तकालय

(vi) मिड–डे मील पकाने के लिए, रसोई के लिए पर्याप्त स्थान

(vii) विद्यालय के चारो तरफ सुरक्षा की दृष्टि से चारदीवारी

# Specially Thanks!

Priyal

Aakash ojha

Rajat Tiwari

Samprash

# Dadicated to my daughter -